सामाजिक विज्ञान

विषय विशेष पाठ्यक्रम में NCERT/CBSE पाठ्यक्रम और पाठ्य पुस्तकों (कक्षा VI से X) की अवधारणाएँ शामिल हैं, हालाँकि, प्रश्न स्नातक स्तर पर इन अवधारणाओं की समझ और अनुप्रयोग की गहराई का परीक्षण करेंगे।

घटनाएँ और प्रक्रियाएँ:

I. फ्रांसीसी क्रांति:

- अठारहवीं शताब्दी के उत्तरार्ध में फ्रांसीसी समाज
- क्रांति का प्रकोप
- फ्रांस ने राजशाही को समाप्त कर दिया और एक गणराज्य बन गया
- क्या महिलाओं ने क्रांति की?
- गुलामी का उन्मूलन

II. यूरोप में समाजवाद और रूसी क्रांति:

- सामाजिक परिवर्तन का युग
- रूसी क्रांति
- पेट्रोग्राद में फरवरी क्रांति
- अक्टूबर के बाद क्या बदला?
- रूसी क्रांति और यूएसएसआर का वैश्विक प्रभाव

III.नाजीवाद और हिटलर का उदय:

- वीमर गणराज्य का जन्म
- हिटलर का सत्ता में उदय
- नाजी विश्व दृष्टिकोण
- नाजी जर्मनी में युवा
- आम लोग और मानवता के खिलाफ अपराध

आजीविका, अर्थव्यवस्था और समाज:

IV. वन समाज और उपनिवेशवाद:

- वनों की कटाई क्यों?
- वाणिज्यिक वानिकी का उदय
- जंगल में विद्रोह
- जावा में वन परिवर्तन

V. आधुनिक दुनिया में चरवाहे:

- चरवाहे खानाबदोश और उनके आंदोलन
- औपनिवेशिक शासन और चरवाहा जीवन
- अफ्रीका में चरवाहा

समकालीन भारत - I

1. भारत

- स्थान
- आकार
- भारत और विश्व
- भारत के पड़ोसी

2. भारत की भौतिक विशेषताएँ:

प्रमुख भौतिक विभाग- हिमालय पर्वत, उत्तरी मैदान, प्रायद्वीपीय पठार, भारतीय रेगिस्तान, तटीय मैदान, द्वीप

3. जल निकासी:

- अवधारणा
- भारत में जल निकासी प्रणाली
- हिमालयी नदियाँ-गंगा और ब्रह्मपुत्र नदी प्रणाली
- प्रायद्वीपीय नदियाँ- नर्मदा बेसिन, ताप्ती बेसिन, गोदावरी बेसिन, महानदी बेसिन, कृष्णा बेसिन, कावेरी बेसिन

- झीलें
- अर्थव्यवस्था में नदियों की भूमिका
- नदी प्रदूषण

4. जलवायु:

- संकल्पना
- जलवायु नियंत्रण
- भारत की जलवायु को प्रभावित करने वाले कारक अक्षांश, ऊँचाई, दबाव और हवाएँ
- ऋतुएँ ठंड का मौसम, गर्म मौसम का मौसम, मानसून का आगे बढ़ना, पीछे हटना / मानसून के बाद
- वर्षा का वितरण
- मानसून एक एकीकृत बंधन के रूप में

5. प्राकृतिक वनस्पति और वन्य जीवन:

- वनस्पति के प्रकार उष्णकटिबंधीय सदाबहार वन, उष्णकटिबंधीय पर्णपाती वन, कांटेदार वन और झाड़ियाँ, पर्वतीय वन, मैंग्रोव वन
- वन्य जीवन

6. जनसंख्या:

- जनसंख्या का आकार और वितरण संख्या के अनुसार भारत की जनसंख्या का आकार और वितरण, घनत्व के अनुसार भारत की जनसंख्या वितरण
- जनसंख्या वृद्धि और जनसंख्या परिवर्तन की प्रक्रियाएँ जनसंख्या वृद्धि, जनसंख्या परिवर्तन / वृद्धि की प्रक्रियाएँ

लोकतांत्रिक राजनीति I

1. लोकतंत्र? लोकतंत्र क्यों?

- लोकतंत्र क्या है?
- लोकतंत्र की विशेषताएँ
- लोकतंत्र क्यों?
- लोकतंत्र के व्यापक अर्थ

2. संवैधानिक डिज़ाइन:

- दक्षिण अफ्रीका में लोकतांत्रिक संविधान
- हमें संविधान की आवश्यकता क्यों है?
- भारतीय संविधान का निर्माण
- भारतीय संविधान के मार्गदर्शक मूल्य

3. चुनावी राजनीति:

- चुनाव क्यों?
- हमारी चुनाव प्रणाली क्या है?
- भारत में चुनाव को लोकतांत्रिक क्या बनाता है?

4. संस्थाओं का कामकाज:

- प्रमुख नीतिगत निर्णय कैसे लिए जाते हैं?
- संसद
- राजनीतिक कार्यपालिका
- न्यायपालिका

5. लोकतांत्रिक अधिकार:

- अधिकारों के बिना जीवन
- लोकतंत्र में अधिकार
- भारतीय संविधान में अधिकार
- अधिकारों का बढ़ता दायरा

अर्थशास्त्र

1. पालमपुर गांव की कहानी:

- अवलोकन
- उत्पादन का संगठन
- पालमपुर में खेती
- पालमपुर में गैर-कृषि गतिविधियाँ

2. संसाधन के रूप में लोग:

- अवलोकन
- पुरुषों और महिलाओं द्वारा आर्थिक गतिविधियाँ
- जनसंख्या की गुणवत्ता
- बेरोज़गारी

3. गरीबी एक चुनौती के रूप में:

- अवलोकन
- गरीबी के दो विशिष्ट मामले
- सामाजिक वैज्ञानिकों द्वारा देखी गई गरीबी
- गरीबी का अनुमान
- कमजोर समूह
- अंतरराज्यीय असमानताएँ
- वैश्विक गरीबी परिदृश्य
- गरीबी के कारण
- गरीबी-विरोधी उपाय
- आगे की चुनौतियाँ

4. भारत में खाद्य सुरक्षा:

- अवलोकन
- खाद्य सुरक्षा क्या है?
- खाद्य सुरक्षा क्यों?
- खाद्य असुरक्षित कौन हैं?
- भारत में खाद्य सुरक्षा
- बफर स्टॉक क्या है?
- सार्वजनिक वितरण प्रणाली क्या है?
- सार्वजनिक वितरण प्रणाली की वर्तमान स्थिति
- खाद्य सुरक्षा में सहकारिता की भूमिका

भारत और समकालीन विश्व - II

घटनाएँ और प्रक्रियाएँ:

1. यूरोप में राष्ट्रवाद का उदय:

- फ्रांसीसी क्रांति और राष्ट्र का विचार
- यूरोप में राष्ट्रवाद का निर्माण
- क्रांतियों का युग: 1830-1848
- जर्मनी और इटली का निर्माण
- राष्ट्र की कल्पना
- राष्ट्रवाद और साम्राज्यवाद

2. भारत में राष्ट्रवाद:

- प्रथम विश्व युद्ध, खिलाफत और गैर-कानूनी गतिविधियां
- सहयोग
- आंदोलन के भीतर अलग-अलग धाराएं
- सविनय अवज्ञा की ओर
- सामूहिक संबद्धता की भावना

आजीविका, अर्थव्यवस्था और समाज:

3. वैश्विक दुनिया का निर्माण:

- पूर्व-आधुनिक दुनिया
- उन्नीसवीं सदी (1815-1914)
- अंतर-युद्ध अर्थव्यवस्था
- विश्व अर्थव्यवस्था का पुनर्निर्माण: युद्ध के बाद का युग

4. औद्योगीकरण का युग:

- औद्योगिक क्रांति से पहले
- हाथ से काम करने वाला श्रम और भाप से चलने वाली शक्ति
- उपनिवेशों में औद्योगीकरण
- कारखानों का निर्माण
- औद्योगिक विकास की विशिष्टताएं
- वस्तुओं के लिए बाजार

रोजमर्रा की जिंदगी, संस्कृति और राजनीति:

5. प्रिंट संस्कृति और आधुनिक विश्व:

- पहली मुद्रित पुस्तकें
- यूरोप में मुद्रण का आगमन
- मुद्रण क्रांति और उसका प्रभाव
- पठन उन्माद
- उन्नीसवीं सदी
- भारत और मुद्रण की दुनिया
- धार्मिक सुधार और सार्वजनिक बहस
- प्रकाशन के नए रूप
- मुद्रण और सेंसरशिप

समकालीन भारत II

1. संसाधन और विकास:

- संकल्पना
- संसाधनों का विकास

- संसाधन नियोजन भारत में संसाधन नियोजन, संसाधनों का संरक्षण
- भूमि संसाधन
- भूमि उपयोग
- भारत में भूमि उपयोग पैटर्न
- भूमि क्षरण और संरक्षण उपाय
- संसाधन के रूप में मिट्टी मिट्टी का वर्गीकरण, मृदा अपरदन और मृदा संरक्षण

2. वन और वन्यजीव

- भारत में वन और वन्यजीवों का संरक्षण
- वन और वन्यजीव संसाधनों के प्रकार और वितरण
- समुदाय और संरक्षण

3. जल संसाधन:

- जल की कमी और जल संरक्षण और प्रबंधन की आवश्यकता
- बहुउद्देशीय नदी परियोजनाएँ और एकीकृत जल संसाधन प्रबंधन
- वर्षा जल संचयन

4. कृषि:

- खेती के प्रकार आदिम निर्वाह, गहन निर्वाह,
- वाणिज्यिक
- फसल पैटर्न प्रमुख फसलें, अनाज के अलावा अन्य खाद्य फसलें, गैर खाद्य फसलें, तकनीकी और संस्थागत सुधार
- खाद्य सुरक्षा (कृषि पर वैश्वीकरण के प्रभाव को छोड़कर)

5. खनिज और ऊर्जा संसाधन

- खनिज क्या है?
- खनिजों की प्राप्ति का तरीका - ये खनिज कहाँ पाए जाते हैं?, लौह खनिज, अलौह खनिज, गैर-धात्विक खनिज, चट्टान खनिज

- खनिजों का संरक्षण
- ऊर्जा संसाधन - ऊर्जा के पारंपरिक स्त्रोत, ऊर्जा के गैर-पारंपरिक स्त्रोत
- ऊर्जा संसाधनों का संरक्षण

6. विनिर्माण उद्योग:

विनिर्माण का महत्व - औद्योगिक स्थान (उद्योग बाजार लिंकेज को छोड़कर), कृषि आधारित उद्योग (सूती वस्त्र, जूट वस्त्र, चीनी उद्योग को छोड़कर), खनिज आधारित उद्योग (लौह इस्पात उद्योग, सीमेंट उद्योग को छोड़कर), औद्योगिक प्रदूषण और पर्यावरण क्षरण, पर्यावरण क्षरण पर नियंत्रण

7. राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था की जीवन रेखाएँ:

- सड़क मार्ग
- रेलवे
- पाइपलाइन
- जलमार्ग
- प्रमुख बंदरगाह
- वायुमार्ग
- संचार
- अंतर्राष्ट्रीय व्यापार
- व्यापार के रूप में पर्यटन

लोकतांत्रिक राजनीति - II

1. सत्ता का बंटवारा:

- बेल्जियम और श्रीलंका
- श्रीलंका में बहुसंख्यकवाद
- बेल्जियम में समायोजन
- सत्ता का बंटवारा क्यों वांछनीय है?
- सत्ता के बंटवारे के रूप

2. संघवाद:

- संघवाद क्या है?
- भारत को संघीय देश बनाने वाली कौन सी बातें हैं?
- संघवाद का पालन कैसे किया जाता है?
- भारत में विकेंद्रीकरण

3. लिंग, धर्म और जाति:

- लिंग और राजनीति - सार्वजनिक/निजी विभाजन, महिलाओं का राजनीतिक प्रतिनिधित्व
- धर्म, सांप्रदायिकता और राजनीति - सांप्रदायिकता, धर्मनिरपेक्ष राज्य
- जाति और राजनीति - जातिगत असमानताएँ, राजनीति में जाति, जाति में राजनीति

4. राजनीतिक दल:

- हमें राजनीतिक दलों की आवश्यकता क्यों है?
- अर्थ, कार्य, आवश्यकता
- हमें कितनी पार्टियाँ होनी चाहिए?
- राष्ट्रीय दल
- राज्य दल
- राजनीतिक दलों के लिए चुनौतियाँ
- दलों में सुधार कैसे किया जा सकता है?

5. लोकतंत्र के परिणाम:

- हम लोकतंत्र के परिणामों का आकलन कैसे करते हैं?
- जवाबदेह, उत्तरदायी और वैध सरकार
- आर्थिक वृद्धि और विकास
- असमानता और गरीबी में कमी
- सामाजिक विविधता का समायोजन
- नागरिकों की गरिमा और स्वतंत्रता

आर्थिक विकास को समझना

1. विकास:

- विकास क्या वादा करता है अलग-अलग लोग, अलग-अलग लक्ष्य
- आय और अन्य लक्ष्य
-
- राष्ट्रीय विकास
- विभिन्न देशों या राज्यों की तुलना कैसे करें?
- आय और अन्य मानदंड
- सार्वजनिक सुविधाएँ
- विकास की स्थिरता

2. भारतीय अर्थव्यवस्था के क्षेत्र:

- आर्थिक गतिविधियों के क्षेत्र
- तीन क्षेत्रों की तुलना
- भारत में प्राथमिक, द्वितीयक और तृतीयक क्षेत्र
- संगठित और असंगठित के रूप में क्षेत्रों का विभाजन
- स्वामित्व के संदर्भ में क्षेत्र: सार्वजनिक और निजी क्षेत्र

3. धन और ऋण:

- विनिमय के माध्यम के रूप में धन
- धन के आधुनिक रूप
- बैंकों की ऋण गतिविधियाँ
- दो अलग-अलग ऋण स्थितियाँ
- ऋण की शर्तें
- भारत में औपचारिक क्षेत्र ऋण
- गरीबों के लिए स्वयं सहायता समूह

4. वैश्वीकरण और भारतीय अर्थव्यवस्था:

- विभिन्न देशों में उत्पादन
- विभिन्न देशों में उत्पादन को आपस में जोड़ना
- विदेशी व्यापार और बाजारों का एकीकरण
- वैश्वीकरण क्या है?
- वैश्वीकरण को सक्षम करने वाले कारक
- विश्व व्यापार संगठन
- भारत में वैश्वीकरण का प्रभाव

निष्पक्ष वैश्वीकरण के लिए संघर्ष

5. उपभोक्ता अधिकार